दिनांक 10 जुलाई, 1987

सं श्रो० वि० यमुना/52-87/26770.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मै० स्पीड किंग इण्डस्ट्रीज, माडर्न कालोनी, यमुनानगर के श्रमिक श्री प्रवीन कुमार, पुत्र श्री वेद प्रकाश, म० नं० 55-ए बी-6, माडर्न कालोनी, यमुनानगर तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके वाद लिखिल मामले में कोई श्रौद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूं कि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यानिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं:

इस लिये अब, श्रौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं 3(44) 84-3 श्रम, दिनांक 18 अप्रैल, 1984 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय, अम्बाला को विवादग्रस्त या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायिनर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु विनिर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रथवा संबंधित मामला है:—

क्या श्री प्रवीत कुमार की सेवाम्नों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं श्री वि एफडी/गुड़गांव/109-87/26775.—चूं कि हिरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं वेदी इण्डस्ट्रीज, प्लाट नं 179, रहोग बिहार, गांव झुप्डाहेड़ा, जिला गुड़गांव, के श्री कि श्री उदेभान सिंह मार्फत मर्कनटाईल इम्पलाईज एसोसिएशन एच-347 न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली-110060 तथा प्रबन्धकों के मध्य इस में इस के बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीहोगिक विवाद है;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, अब, श्रौद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई श्रवितयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राष्ट्रपाल इसके द्वारा उदत श्रिधिनियम की धारा 7-क के श्रधीन गठित श्रीद्योगिक श्रिधिकरण, हरियाणा, परीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि प्रवन्धकों तथा श्रीमक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है श्रथवा विवाद से सुसंगत या संबंधित मामाला न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री उदेशान सिंह की सेवा समाप्ति न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं० भ्रो० वि० एफडी/60-87/26782.--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं० निर्माण स्टील, प्लाट नं० 145, सैक्टर 24, परीदाबाद के श्रीकिश्वी शम्मी कपूर, पुत्र श्री राम सरन, मकान नं० 2764, जवाहर कालोनी, एन. ग्राई. टी. फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रीबोगिक विवाद है;

ग्रौर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेत् निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, श्रब, श्रीद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की श्रिवित्यों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त श्रिधिनियम की घारा 7-क के श्रिधीन गठित श्रीद्योगिक श्रिधिकरण,हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रीमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है श्रथवा विवाद से सुसंगत या संबंधित मामला न्यायनिर्णय एवं पचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं। विवादग्रस्त मामला

क्या श्री शम्मी कपूर की सेवा समाप्ति न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

स० त्रो० वि० एफडी/गुड़गांव/110-87/26789 — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मै० ज्वाला है टैबसटाईल मिल्ज, गृड़गांव के श्रमिक श्री होती लाल मार्फत मर्कनटाईल डम्पलाईज एसोसियेशन एच-347, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली-110060 तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सबंध में कोई औद्योगिक विवाद है;

श्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रधिनियम 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिहतयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7-क के ग्रधीन गठित द्योगिक ग्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है ग्रथवा विवाद से सुसंगत या सर्विधित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं।

क्या श्री होतीलाल की सेवा समाप्ति न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?